

आजु सखी मधुबन नाच्यो मोर

आजु सखी मधुबन नाच्यो मोर
आजु सखी गहवर वन नाच्यो मोर

सावन की मदमस्त हवाएं - 2, हरियाली चहुँ और।
आजु सखी मधुबन नाच्यो मोर
आजु सखी गहवर वन नाच्यो मोर।

सर पर कलगी पंख रंगीले -2
नैन नसीले होंठ रसीले -2
ताल बजावे नाचे गावें ,खूब मचावे छोर।
आजु सखी-जय हो -2
आजु सखी मधुबन नाच्यो मोर
आजु सखी गहवर वन नाच्यो मोर।

अगर कोई पकड़े हाथ न आवे -2
कुञ्ज निकुञ्जों में छिप जावे -2
देख मोर की लीला सखियन -2 है गयी भाव विभोर।
आजु सखी मधुबन नाच्यो मोर
आजु सखी गहवर वन नाच्यो मोर।

देख मोर का नाच किशोरी -2
नाच उठी राधा रसभोरि -2
मिले परस्पर चाँद चकोरी -2 मिल गयी नैनन कोर।
आजु सखी मधुबन नाच्यो मोर
आजु सखी गहवर वन नाच्यो मोर।

मोर लियो बाहों में राधा -2
बंसीधर धरा रूप अगाधा -2
राधा दरस कर मित गयी तड़पन -2 “मधुप” हरी चितचोर।
आजु सखी -2 मधुबन नाच्यो मोर
आजु सखी गहवर वन नाच्यो मोर।

सावन की मदमस्त हवाएं - 2, हरियाली चहुँ और।
आजु सखी -2 मधुबन नाच्यो मोर
आजु सखी गहवर वन नाच्यो मोर। - 4

बोलो मोर बिहारी लाल की जय।

कवि : [सुप्रसिद्ध लेखक एवं संकीर्तनाचार्य श्री केवल कृष्ण ‘मधुप’ \(मधुप हरि जी महाराज\) अमृतसर \(9814668946\)](#)

स्वर : [सर्व मोहन \(टीनू सिंह\)](#)

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33091/title/aaju-sakhi-madhuban-nachiyo-mor>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |